Gen

Chapter 50

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

וַיִּפֹּל	יוֹסֵף	עַל־	פְּנֵי	אָבִיו	וַיֵּבְךְּ	עָלָיו	וַיִּשַׁק־	לוֹ׃	
और-गिर-पड़ा	यूसुफ़	पर-	चेहरे	पिता-अपने-के	और-रोया	पर-उस	और-चूमा-	उसे	
H5307	H3130		H6440	H0001	H1058				

जब इस्राएल मरा, यूसुफ बहुत दुःखी हुआ। वह पिता के गले लिपट गया, उस पर होया और उसे चूमा।

2

וַיְצַו	יוֹסֵף	אֶת־	עֲבָדָיו	אֶת־	הָרֹפְאִים	לַחֲנֹט	אֶת־	אָבִיו
और-आज्ञा-दी	यूसुफ़-ने	को-	सेवकों-अपने	को-	चिकित्सकों	को-सुगंधित-करने	को-	पिता-अपने
H6680	H3130	H0853	H5650	H0853	H7495		H0853	H0001

וַיַּחַנְטוּ	הָרֹפְאִים	אֶת־	יִשְׂרָאֵל׃
और-सुगंधित-किया	चिकित्सकों-ने	को-	इस्राएल
	H7495	H0853	H3478

यूसुफ ने अपने सेवकों को आदेश दिया कि वे उसके पिता के शरीर को तैयार करें (ये सेवक वैद्य थे।) वैद्यों ने याकूब के शरीर को दफनाने के लिए तैयार किया। उन्होंने मिस्री लोगों के विशेष तरीके से खरीर को तैयार किया।

3

וַיִּמְלְאוּ־	לוֹ	אַרְבָּעִים	יוֹם	כִּי	כֵן	יִמְלְאוּ	יְמֵי	הַחֲנֻטִים	וַיִּבְכּוּ
और-पूरे-हुए-	उसके-लिए	चालीस	दिन	क्योंकि	ऐसे	पूरे-होते-हैं	दिन	सुगंधित-करने-के	और-रोए
H4390		H0705	H3117			H4390	H3117		H1058

אֹתוֹ	מִצְרַיִם	שִׁבְעִים	יוֹם׃	
उसे	मिस्री-ने	सत्तर	दिन	
H0853	H4713	H7657	H3117	

जब मिस्री लोगों ने विशेष तरह से शव तैयार किया तब उसने दफनाने के पहले चालीस दिन तक प्रतिज्ञा की। उसके बाद मिस्रियों ने याकूब के लिए शोक का विशेष समय रखा। यह समय सत्तर दिन का था।

4

נָא	אִם־	לֵאמֹר	פַּרְעֹה	בֵּית	אֶל־	יוֹסֵף	וַיְדַבֵּר	בְּכִיתוֹ	יְמֵי	וַיַּעַבְרוּ
कृपया	अगर-	कहते-हुए	फ़िरौन-के	घर	से-	यूसुफ़	और-बोला	रोने-उसके	दिन	और-बीत-गए
H4994		H0559	H6547		H0413	H3130	H1696	H1068	H3117	

לֵאמֹר׃	פַּרְעֹה	בְּאָזְנֵי	נָא	דַּבְּרוּ־	בְּעֵינֵיכֶם	חֵן	מָצָאתִי
कहते-हुए	फ़िरौन-के	में-कानों	कृपया	बोलो-	में-नेत्रों-तुम्हारे	अनुग्रह	पाया-मैंने
H0559	H6547	H0241	H4994	H1696		H2580	H4672

सत्तर दिन बाद शोक का समय समाप्त हुआ। इसलिए यूसुफ ने फ़िरौन के अधिकारियों से कहा, “कृपया फ़िरौन से वह कहो,

5

לִי	כָּרִיתִי	אֲשֶׁר	בְּקִבְרִי	מֵת	אָנֹכִי	הִנֵּה	לֵאמֹר	הִשְׁבִּיעַנִי	אָבִי
लिए-अपने	खोदा-मैंने	जो	में-कब्र-मेरी	मरता-हूं	मैं	देखो	कहते-हुए	शपथ-दिलाई-मुझे	पिता-मेरे
			H6913	H4191	H0595	H2009	H0559	H7650	H0001

וְאָשׁוּבָה׃	אָבִי	אֶת־	וְאֶקְבְּרָה	נָא	אֶעֱלֶה־	וְעַתָּה	תִּקְבְּרֵנִי	שָׁמָּה	כְּנַעַן	בְּאֶרֶץ
और-लौटूंगा	पिता-अपने	को-	और-गाड़ूंगा	कृपया	जाने-दो-	और-अब	गाड़ना-मुझे	वहां	कनान	में-देश
H7725	H0001	H0853	H6912	H4994	H5927	H6258	H6912	H8033		H0776

‘जब मेरे पिता मर रहे थे तब मैंने उनसे एक प्रतिज्ञा की थी। मैंने प्रतिज्ञा की थी कि मैं उन्हें कनान देश की गुफा में दफनाऊँगा। यह वह गुफा है जिसे उन्होंने अपने लिए बनाई है। इसलिए कृपा करके मुझे जाने दें और वहाँ पिता की दफनाने दें। तब मैं आपके पास वापस यहाँ लौट आऊँगा।’”

6

הִשְׁבִּיעֶךָ׃	כַּאֲשֶׁר	אָבִיךָ	אֶת־	וּקְבָר	עֲלֵה	פַּרְעֹה	וַיֹּאמֶר	
शपथ-दिलाई-उसने-तुझे	जैसा	पिता-अपने	को-	और-गाड़	जा	फ़िरौन-ने	और-कहा	
H7650		H0001	H0853	H6912	H5927	H6547	H0559	

> फ़िरौन ने कहा, “अपनी प्रतिज्ञा पूरी करो। जाओ और अपने पिता को दफनाओ।”

7	וַיַּ֥עַל	יוֹסֵ֖ף	לִקְבֹּ֣ר	אֶת־	אָבִ֑יו	וַיַּעֲל֨וּ	אִתּ֜וֹ	כָּל־	עַבְדֵ֤י	פַרְעֹה֙	זִקְנֵ֣י
	और-गया	यूसुफ़	को-गाड़ने	को-	पिता-अपने	और-गए	साथ-उसके	सब-	सेवक	फ़िरौन-के	बुजुर्ग
	H5927	H3130	H6912	H0853	H0001	H5927	H0854	H3605	H5650	H6547	H2205
	בֵית֔וֹ	וְכֹ֖ל	זִקְנֵ֥י	אֶֽרֶץ־	מִצְרָֽיִם׃						
	घर-उसके	और-सब	बुजुर्ग	देश-	मिस्र-के						
		H3605	H2205	H0776	H4714						

> इसलिए यूसुफ अपने पिता की दफनाने गया। फ़िरौन के सभी अधिकारी यूसुफ के साथ गए। फ़िरौन के बड़े लोग (नेता) और मिस्र के बड़े लोग यूसुफ के साथ गए।

8	וְכֹל֙	בֵּ֣ית	יוֹסֵ֔ף	וְאֶחָ֖יו	וּבֵ֣ית	אָבִ֑יו	רַ֗ק	טַפָּם֙	וְצֹאנָ֣ם
	और-सारा	घर	यूसुफ़-का	और-भाई-उसके	और-घर	पिता-उसके-का	केवल	बच्चे-उनके	और-भेड़ें-उनकी
	H3605		H3130	H0251		H0001	H7535	H2945	H6629
	וּבְקָרָ֔ם	עָזְב֖וּ	בְּאֶ֥רֶץ	גֹּֽשֶׁן׃					
	और-मवेशी-उनके	छोड़-दिए	में-देश	गोशेन					
	H1241		H0776	H1657					

> यूसुफ और उसके भाईयों के परिवार के सभी व्यक्ति उसके साथ गए और उसके पिता के परिवार के सभी लोग भी यूसुफ के साथ गए। केव बच्चे और जानवर गीशोन प्रदेश में रह गए।

9	וַיַּ֣עַל	עִמּ֔וֹ	גַּם־	רֶ֖כֶב	גַּם־	פָּרָשִׁ֑ים	וַיְהִ֥י	הַֽמַּחֲנֶ֖ה	כָּבֵ֥ד	מְאֹֽד׃
	और-गया	साथ-उसके	भी-	रथ	भी-	घुड़सवार	और-हो-गया	शिविर	भारी	बहुत
	H5927		H1571	H7393	H1571		H1961	H4264	H3515	H3966

> यूसुफ के साथ जाने के लिए लोग रथों और घोड़ो पर सवार हुए। यह बहुत बढ़ा जनसमूह था।

10	וַיָּבֹ֜אוּ	עַד־	גֹּ֣רֶן	הָאָטָ֗ד	אֲשֶׁר֙	בְּעֵ֣בֶר	הַיַּרְדֵּ֔ן	וַיִּ֨סְפְּדוּ־	שָׁ֔ם	מִסְפֵּ֛ד	גָּד֥וֹל
	और-आए	तक-	खलिहान	आटाद-का	जो	में-पार	यर्दन-के	और-विलाप-किया-	वहां	विलाप	बड़ा
	H0935	H5704	H1637	H0329		H5676	H3383	H5594	H8033	H4553	
	וְכָבֵ֖ד	מְאֹ֑ד	וַיַּ֧עַשׂ	לְאָבִ֛יו	אֵ֖בֶל	שִׁבְעַ֥ת	יָמִֽים׃				
	और-भारी	बहुत	और-रखा	के-लिए-पिता-अपने	शोक	सात	दिन				
	H3515	H3966		H0001	H0060	H7651	H3117				

> वे गोरन आताद को गए। जो यरदन नदी के पूर्व में था। इस स्थान पर इन्होंने इस्राएल का अन्तिम संस्कार किया। वे अन्तिम संस्कार सात दिन तक होता रहा।

11	וַיַּ֡רְא	יוֹשֵׁ֨ב	הָאָ֜רֶץ	הַֽכְּנַעֲנִ֗י	אֶת־	הָאֵ֙בֶל֙	בְּגֹ֣רֶן	הָֽאָטָ֔ד	וַיֹּ֣אמְר֔וּ	אֵֽבֶל־	כָּבֵ֥ד
	और-देखा	निवासी-ने	देश-के	कनानी	को-	शोक	में-खलिहान	आटाद-के	और-कहा-उन्होंने	शोक-	भारी
	H7200	H3427	H0776		H0853	H0060	H1637	H0329	H0559	H0060	H3515
	זֶ֖ה	לְמִצְרָ֑יִם	עַל־	כֵּ֞ן	קָרָ֤א	שְׁמָהּ֙	אָבֵ֣למִצְרַ֔יִם	אֲשֶׁר֙	בְּעֵ֣בֶר	הַיַּרְדֵּֽן׃	
	यह	के-लिए-मिस्र	पर-	इसी	पुकारा-गया	नाम-उसका	आबेल-मिस्रैम	जो	में-पार	यर्दन-के	
	H2088	H4713			H7121	H8034	H0067		H5676	H3383	

> कनान के निवासियों ने गोरन आताद में अन्तिम संस्कार को देखा। उन्होंने कहा, “वे मिस्री सचमुच बहुत शोक भरा संस्कार कर रहे है।” इसलिए उस जगह का नाम अब आबेल मिस्रैम है।

12	וַיַּעֲשׂ֥וּ	בָנָ֖יו	ל֑וֹ	כֵּ֖ן	כַּאֲשֶׁ֥ר	צִוָּֽם׃
	और-किया	पुत्रों-उसके-ने	उसके-लिए	ऐसा	जैसा	आज्ञा-दी-उसने
						H6680

> इस प्रकार याकूब के पुत्रों ने वही किया जो उनके पिता ने आदेश दिया था।

13											
	וַיִּשְׂאוּ	אֹתוֹ	בָנָיו	אַרְצָה	כְּנַעַן	וַיִּקְבְּרוּ	אֹתוֹ	בִּמְעָרַת	שְׂדֵה	הַמַּכְפֵּלָה	אֲשֶׁר
	और-उठाया	उसे	पुत्रों-उसके-ने	को-देश	कनान	और-गाड़ा	उसे	में-गुफा	खेत	मकपेला-का	जो
	H5375	H0853		H0776		H6912	H0853	H4631		H4375	

קָנָה	אַבְרָהָם	אֶת־	הַשָּׂדֶה	לַאֲחֻזַּת־	קֶבֶר	מֵאֵת	עֶפְרֹן	הַחִתִּי	עַל־	פְּנֵי	מַמְרֵא׃
खरीदा	अब्राहम-ने	को-	खेत	के-लिए-स्वामित्व-	कब्र-के	से	एप्रोन	हित्ती	के-	सामने	मम्रे
H7069	H0085	H0853		H0272	H6913	H0854	H6085	H2850		H6440	H4471

> वे उसके शव को कनान ले गए और मकपेला की गुफा में उसे दफनाया। यह गुफा मम्रे के निकट उस खेत में थी जिसे इब्राहीम ने हित्ती एप्रोन से खरीदा था।

14										
	וַיָּשָׁב	יוֹסֵף	מִצְרַיְמָה	הוּא	וְאֶחָיו	וְכָל־	הָעֹלִים	אִתּוֹ	לִקְבֹּר	אֶת־
	और-लौटा	यूसुफ़	को-मिस्र	वह	और-भाई-उसके	और-सब-	जानेवाले	साथ-उसके	को-गाड़ने	को-
	H7725	H3130	H4714	H1931	H0251	H3605	H5927	H0854	H6912	H0853

אָבִיו	אַחֲרֵי	קָבְרוֹ	אֶת־	אָבִיו׃
पिता-अपने	बाद	गाड़ने-उसके	को-	पिता-अपने
H0001		H6912	H0853	H0001

> यूसुफ ने जब अपने पिता को दफना दिया तो वह और उसके साथ समूह का हर एक व्यक्ति मिस्र को लौट गया।

15										
	וַיִּרְאוּ	אֲחֵי־	יוֹסֵף	כִּי־	מֵת	אֲבִיהֶם	וַיֹּאמְרוּ	לוּ	יִשְׂטְמֵנוּ	יוֹסֵף
	और-देखा	भाइयों-ने-	यूसुफ़-के	कि-	मर-गया	पिता-उनका	और-कहा-उन्होंने	शायद	बैर-रखेगा-हमसे	यूसुफ़
	H7200	H0251	H3130		H4191	H0001	H0559	H3863	H7852	H3130

וְהָשֵׁב	יָשִׁיב	לָנוּ	אֵת	כָּל־	הָרָעָה	אֲשֶׁר	גָּמַלְנוּ	אֹתוֹ׃
और-लौटाते-हुए	लौटाएगा	हमें	को	सब-	बुराई	जो	बदला-हमने	उसे
H7725	H7725		H0853	H3605			H1580	H0853

> याकूब के मरने के बाद यूसुफ के भाई चिंतित हुए। वे डर रहे थे कि उन्होंने जो कुछ पहले किया था उसके लिए यूसुफ अब भी उनसे क्रोध में पागल होगा। उन्होंने कहा, “क्या जो कुछ हम ने किया उसके लिए यूसुफ अब भी हम से घृणा करता है?”

16									
	וַיְצַוּוּ	אֶל־	יוֹסֵף	לֵאמֹר	אָבִיךָ	צִוָּה	לִפְנֵי	מוֹתוֹ	לֵאמֹר׃
	और-संदेश-भेजा-उन्होंने	को-	यूसुफ़	कहते-हुए	पिता-तेरे	आज्ञा-दी	पहले	मृत्यु-अपनी	कहते-हुए
	H6680	H0413	H3130	H0559	H0001	H6680	H6440	H4194	H0559

> इसलिए भाईयों ने वह सन्देश यूसुफ को भेजा: “तुम्हारे पिता ने मरने के पहले हम लोगों को आदेश दिया था।

17											
	כֹּה־	תֹאמְרוּ	לְיוֹסֵף	אָנָּא	שָׂא	נָא	פֶּשַׁע	אַחֶיךָ	וְחַטָּאתָם	כִּי־	רָעָה
	ऐसे-	कहो	से-यूसुफ़	कृपया	उठा	कृपया	अपराध	भाइयों-अपने-के	और-पाप-उनका	कि-	बुराई
	H3541	H0559	H3130	H0577	H5375	H4994	H6588	H0251			

גְמָלוּךָ	וְעַתָּה	שָׂא	נָא	לְפֶשַׁע	עַבְדֵי	אֱלֹהֵי	אָבִיךָ	וַיֵּבְךְּ	יוֹסֵף
बदले-उन्होंने-तुझे	और-अब	उठा	कृपया	को-अपराध	सेवकों	ईश्वर-के	पिता-तेरे	और-रोया	यूसुफ़
H1580	H6258	H5375	H4994	H6588	H5650	H0430	H0001	H1058	H3130

בְּדַבְּרָם	אֵלָיו׃
में-बोलते-हुए-उनके	उससे
H1696	H0413

> उसने कहा, ‘युसुफ से कहना कि मैं निवेदन करता हूँ कि कृपा कर वह उस अपराध को क्षमा कर दे जो उन्होंने उसके साथ किया।’ इसलिए अब हम तुमसे प्रार्थना करते हैं कि उस अपराध को क्षमा कर दो जो हम ने किया। हम लोग केवल तुम्हारे पिता के परमेश्वर के सेवक हैं।” यूसुफ के भाईयों ने कुछ कहा उससे उसे बड़ा दुःख हुआ और वह रो पड़ा।

18									
	וַיֵּלְכוּ	גַּם־	אֶחָיו	וַיִּפְּלוּ	לְפָנָיו	וַיֹּאמְרוּ	הִנֶּנּוּ	לְךָ	לַעֲבָדִים׃
	और-गए	भी-	भाई-उसके	और-गिर-पड़े	सामने-उसके	और-कहा-उन्होंने	देखो-हम	के-लिए-तेरे	दासों-के-लिए
	H3212	H1571	H0251	H5307	H6440	H0559	H2009		H5650

> यूसुफ के भाई उसके सामने गए और उसके सामने झुककर प्रणाम किया। उन्होंने कहा, “हम लोग तुम्हारे सेवक होंगे।”

19									
	וַיֹּאמֶר	אֲלֵהֶם	יוֹסֵף	אַל־	תִּירָאוּ	כִּי	הֲתַחַת	אֱלֹהִים	אָנִי׃
	और-कहा	से-उन	यूसुफ़-ने	न-	डरो	क्योंकि	क्या-के-स्थान-पर	ईश्वर	मैं
	H0559	H0413	H3130	H0408	H3372		H8478	H0430	H0589

तब यूसुफ ने उनसे कहा, “डरो नहीं मैं परमेश्वर नहीं हूँ।

כַּיּוֹם	עֲשֹׂה	לְמַעַן	לְטֹבָה	חֲשָׁבָהּ	אֱלֹהִים	רָעָה	עָלַי	חֲשַׁבְתֶּם	וְאַתֶּם	20
जैसा-आज	करना	के-लिए	के-लिए-भलाई	सोचा-उसे	ईश्वर-ने	बुराई	के-विरुद्ध-मेरे	सोचा-तुमने	और-तुम	
H3117		H4616		H2803	H0430			H2803		

רָב׃	עַם־	לְהַחֲיֹת	הַזֶּה
बहुतों	लोगों-	को-जीवित-रखना	यह
		H2421	H2088

तुम लोगों ने मेरे साथ जो कुछ बुरा करने की योजना बनाई थी। किन्तु परमेश्वर सचमुच अच्छी योजना बना रहा था। परमेश्वर की योजना बहुत से लोगों का जीवन बचाने के लिए मेरा उपयोग करने की थी और आज भी उसकी यही योजना है।

אוֹתָם	וַיְנַחֵם	טַפְּכֶם	וְאֶת־	אִתְּכֶם	אֲכַלְכֵּל	אָנֹכִי	תִּירָאוּ	אַל־	וְעַתָּה	21
उन्हें	और-तसल्ली-दी	बच्चों-तुम्हारे	और-को-	तुम्हें	पोषण-करूंगा	मैं	डरो	न-	और-अब	
H0853	H5162	H2945	H0853	H0853	H3557	H0595	H3372	H0408	H6258	

לִבָּם׃	עַל־	וַיְדַבֵּר
दिलों-उनके	को-	और-बोला
		H1696

इसलिए डरो नहीं। मैं तुम लोगों और तुम्हारे बच्चों की देखभाल करूँगा।” इस प्रकार यूसुफ ने उन्हें सान्त्वना दी और उनसे कोमलता से बातें की।

שָׁנִים׃	וְעֶשֶׂר	מֵאָה	יוֹסֵף	וַיְחִי	אָבִיו	וּבֵית	הוּא	בְּמִצְרַיִם	יוֹסֵף	וַיֵּשֶׁב	22
वर्ष	और-दस	सौ	यूसुफ़	और-जीया	पिता-अपने-का	और-घर	वह	में-मिस्र	यूसुफ़	और-रहा	
H8141	H6235	H3967	H3130	H2421	H0001		H1931	H4714	H3130	H3427	

यूसुफ अपने पिता के परिवार के साथ मिस्र में रहता रहा। यूसुफ एक सौ दस वर्ष का होकर मरा।

יֻלְּדוּ	מְנַשֶּׁה	בֶּן־	מָכִיר	בְּנֵי	גַּם	שִׁלֵּשִׁים	בְּנֵי	לְאֶפְרַיִם	יוֹסֵף	וַיַּרְא	23
जन्मे-थे	मनश्शे-के	पुत्र-	माकीर-के	पुत्र	भी	तीसरी-पीढ़ी-के	पुत्र	को-एप्रैम	यूसुफ़-ने	और-देखा	
H3205	H4519		H4353		H1571	H8029		H0669	H3130	H7200	

יוֹסֵף׃	בִּרְכֵּי	עַל־
यूसुफ़-की	घुटनों	पर-
H3130	H1290	

यूसुफ के जीवन काल में एप्रैम के पुत्र और पौत्र हुए और उसके पुत्र मनश्शे का एक पुत्र माकीर नाम का हुआ। यूसुफ माकीर के बच्चों को देखने के लिए जीवित रहा।

וְהֶעֱלָה	אִתְּכֶם	יִפְקֹד	פָּקֹד	וֵאלֹהִים	מֵת	אָנֹכִי	אֶחָיו	אֶל־	יוֹסֵף	וַיֹּאמֶר	24
और-उठाएगा	तुम्हारा	ध्यान-देगा	निश्चय-ही	और-ईश्वर	मरता-हूं	मैं	भाइयों-अपने	से-	यूसुफ़-ने	और-कहा	
H5927	H0853				H4191	H0595	H0251	H0413	H3130	H0559	

לְיִצְחָק	לְאַבְרָהָם	נִשְׁבָּע	אֲשֶׁר	הָאָרֶץ	אֶל־	הַזֹּאת	הָאָרֶץ	מִן־	אֶתְכֶם
को-इसहाक	को-अब्राहम	शपथ-खाई-उसने	जो	देश	को-	इस	देश	से-	तुम्हें
H3327	H0085	H7650		H0776	H0413	H2063	H0776		H0853

וְלְיַעֲקֹב׃	
और-को-याकूब	
H3290	

जब यूसुफ मरने को हुआ, उसने अपने भाईयों से कहा, “मेरे मरने का समय आ गया। किन्तु मैं जानता हूँ कि परमेश्वर तुम लोगों की रक्षा करेगा। वह इस देश से तुम लोगों को बाहर ले जाएगा। परमेश्वर तुम लोगों को उस देश में ले जाएगा जिसे उसने इब्राहीम, इसहाक और याकूब को देने का वचन दिया था।”

אִתְּכֶם	אֱלֹהִים	יִפְקֹד	פָּקֹד	לֵאמֹר	יִשְׂרָאֵל	בְּנֵי	אֶת־	יוֹסֵף	וַיִּשְׁבַּע	25
तुम्हारा	ईश्वर	ध्यान-देगा	निश्चय-ही	कहते-हुए	इस्राएल-के	पुत्रों	को-	यूसुफ़-ने	और-शपथ-खिलाई	
H0853	H0430			H0559	H3478		H0853	H3130	H7650	

מִזֶּה׃	עַצְמֹתַי	אֶת־	וְהַעֲלִתֶם	
से-यहां	हड्डियों-मेरी	को-	और-उठाओगे	
H2088	H6106	H0853	H5927	

> तब यूसुफ ने अपने लोगों से एक प्रतिज्ञा करने को कहा। यूसुफ ने कहा, “मुझ से प्रतिज्ञा करो कि तब मेरी अस्थियों अपने साथ ले जाओगे जब परमेश्वर तुम लोगों को नए देश में ले जाएगा।”

בָּאָרֹון	וַיִּישָּׂם	אֹתֹו	וַיַּחַנְטוּ	שָׁנִים	וְעֶשֶׂר	מֵאָה	בֶּן־	יֹוסֵף	וַיָּמָת	26
में–ताबूत	और–रखा–गया	उसे	और–सुगंधित–किया–उन्होंने	वर्षों–का	और–दस	सौ	पुत्र–	यूसुफ़	और–मरा	
H0727	H3455	H0853		H8141	H6235	H3967		H3130	H4191	

בְּמִצְרָיִם׃
में–मिस्र
H4714

> यूसुफ मिस्र में मरा, जब यह एक सौ दस वर्ष का था। वैद्यों ने उसके शव को दफनाने के लिए तैयार किया और मिस्र में उसके शव को एक डिब्बे में रखा।